an>

Title: Need to start campaign to protect the girls between the age group of 15 to 19 from malnutrition and anaemia.

श्री ओम बिरला (कोटा) : माननीय अध्यक्ष जी, नई पीढ़ी को जन्म देने वाली 15 से 19 वर्ष की बालिकाओं में राजस्थान में प्रदेश में खून की कमी के कारण एनीमिया की भयंकर बीमारी एक सर्वे के माध्यम से प्रकाश में आई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार राजस्थान के अंदर 65 प्रतिशत बालिकाओं में जिनकी उम्र 15 से 19 वर्ष है, खून की कमी के कारण एनीमिया हो रहा है।

यह विषय इसलिए भी चिंता का है कि 19 वर्ष के बाद जब उनकी शादी होने वाली होगी और जब वे नये बच्चे को जन्म देगी, तो उससे खून की कमी के कारण उस बच्चे के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा और उस खून की कमी के कारण उस बच्चे में बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी कम होगी। यह विषय इसलिए भी चिंता का है कि एक तरफ यूनिसेफ और कई सारे संगठन देश विदेश के अंदर लगातार सेहत की चिंता कर रहे हैं, हम खुद भी पूरे देश के अंदर शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन बच्चों को जन्म देने वाली उस बालिका पर खून की कमी और बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होगी तो निश्चित रूप से इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

इसलिए मेरा आपके माध्यम से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जी से आग्रह है कि राजस्थान में स्पेशल सर्वे कराकर एनीमिया की कमी से जूझ रही उन बालिकाओं के लिए एक स्पेशल प्लान योजना बनाई जाए और एक मापदंड के तहत जिन लड़कियों में भी खून की कमी है, उनको विशेष रूप से आयरन और जो भी आवश्यक मेडिकल की सुविधाओं के आधार पर जो मेडिकल सलाह देते हैं, उसके आधार पर खून की कमी को रोकने के बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री देवजी एम.पटेल,

डॉ. किरीट सोलंकी,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री राहुल कस्वां और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री ओम बिरला द्वारा उठाये गये विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।